भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3673

दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से जन-स्वास्थ्य में परिवर्तन

†3673. प्रो. सौगत रायः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा इसकी शुरुआत से अब तक अनेक जन-स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया है;

(ख) यदि हां, तो एनएचएम के गठन के बाद से अब तक मातृ मृत्यु अनुपात में कमी और तपेदिक (टीबी) तथा सिकल सेल एनीमिया के मामलों में आए भारी परिवर्तनों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) एनएचएम में सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों, आयुष चिकित्सकों सहित कितने स्वास्थ्य परिचर्या कर्मी शामिल हैं;

(घ) मातृ, बाल और शिशु मृत्यु दर संबंधी संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत की संभावित समय-सीमा क्या है;

(ङ) क्या एनएचएम ने देश के नागरिकों के जन-स्वास्थ्य के लिए हानिकारक विभिन्न रोगों के उन्मूलन और नियंत्रण के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का समाधान करने के लिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) को वर्ष 2005 में शुरू किया गया था ताकि राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के प्रयासों को पूरक बनाया जा सके जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों तक पहुँच रखने वाले सभी लोगों को सुलभ, किफ़ायती और गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा सके। वर्तमान में, एनआरएचएम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का उप-मिशन है। एनयूएचएम को भी एनएचएम के उप-मिशन के रूप में वर्ष 2013 में शुरू किया गया था। एनएचएम सहायता राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मानदंडों के अनुसार नए सुविधा

केंद्रों की स्थापना और उनकी आवश्यकता के आधार पर अवसंरचना के अभाव पूरा करने के लिए मौजूदा सुविधा केंद्रों के उन्नयन के लिए प्रदान की जाती है।
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर स्वास्थ्य कार्यबल को मजबूत करने सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के रिकॉर्ड (आरओपी) के रूप में प्रस्ताव के लिए अनुमोदन प्रदान करती है।

भारत के महापंजीयक (आरजीआई) द्वारा जारी मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) संबंधी विशेष बुलेटिन के अनुसार, देश का वर्तमान एमएमआर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 97 है। भारत में एमएमआर में 2004-06 में 254 से 2018-20 में 97 तक 157 अंकों की महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है। नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआर) के अनुसार 2004-06 से 2018-20 तक राज्यवार एमएमआर अनुलग्नक-I(क) में दी गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्त्वावधान में, सरकार राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) को कार्यान्वित कर रही है। भारत में क्षयरोग की घटना दर वर्ष 2015 में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 237 से वर्ष 2023 में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 195 तक 17.7% की गिरावट दर्शाती है, जो वैश्विक कमी की गति से दोगुनी है। इसके अलावा वर्ष 2024 (जनवरी-दिसंबर) में सूचित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार क्षयरोग मामलों का विवरण अनुलग्नक-I (ख) में दिया गया है।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 2023 राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत मध्य प्रदेश से की गई है। इस मिशन का उद्देश्य सभी सिकल सेल रोगियों को किफ़ायती और सुलभ परिचर्या प्रदान करना, एससीडी रोगियों के लिए परिचर्या की गुणवत्ता और जागरूकता सृजन के माध्यम से सिकल सेल रोग के प्रसार में कमी लाना, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावित 278 जिलों में 0-40 वर्ष की आयु के 7 करोड़ लोगों की सार्वभौमिक जांच और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकार के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से परामर्श देना है। दिनांक 18.03.2025 तक, लगभग 5.11 करोड़ व्यक्तियों की जांच की गई है, 1,91,103 सिकल सेल रोग के मामलों और 13,73,597 वाहकों की पहचान की गई है।

(ग): देश भर में एनएचएम के तहत तैनात स्वास्थ्य कर्मियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार संख्या, **अनुलग्नक II** में संलग्न है। इसके अलावा, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (उप-स्वास्थ्य केंद्र) में लगभग 1.39 लाख सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तैनात हैं।

(घ) से (च): मातृ मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) लक्ष्य और अपेक्षित समयसीमा का विवरण नीचे दिया गया है;

सूचक	वर्तमान स्थिति (भारत)	एसडीजी लक्ष्य और समय-सीमा
मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	प्रति लाख जीवित जन्मों पर 97	वर्ष 2030 तक ≤70
नवजात शिशु मृत्यु दर (एनएमआर)	प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 20	वर्ष 2030 तक ≤12
5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर)	प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 32	वर्ष 2030 तक ≤25
स्रोत: भारत के महापंजीयक की नमूना पंजीकरण प्रणाली 2020 रिपोर्ट		

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिनांक 8 अक्टूबर, 2024 को घोषणा की कि भारत ने ट्रेकोमा को समाप्त कर दिया है। वर्ष 2023 तक कालाजार को समाप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। भारत सरकार वर्ष 2025 तक क्षयरोग, वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया और वर्ष 2030 तक मलेरिया जैसे विभिन्न रोगों को समाप्त करने के लिए कई कदम उठा रही है।

****

अनुलग्नक -I(क)

मातृ मृत्युदर अनुपात (प्रति 1,00,000 जीवित जन्म)									
भारत/राज्य	2004-06	2007-09	2010-12	2011-13	2014-16	2015-17	2016-18	2017-19	2018-20
भारत	**254**	**212**	**178**	**167**	**130**	**122**	**113**	**103**	**97**
आंध्र प्रदेश	154	134	110	92	74	74	65	58	45
असम	480	390	328	300	237	229	215	205	195
बिहार	312	261	219	208	165	165	149	130	118
झारखंड						76	71	61	56
गुजरात	160	148	122	112	91	87	75	70	57
हरियाणा	186	153	146	127	101	98	91	96	110
कर्नाटक	213	178	144	133	108	97	92	83	69
केरल	95	81	66	61	46	42	43	30	19
मध्य प्रदेश	335	269	230	221	173	188	173	163	173
छत्तीसगढ						141	159	160	137
महाराष्ट्र	130	104	87	68	61	55	46	38	33
ओडिशा	303	258	235	222	180	168	150	136	119
पंजाब	192	172	155	141	122	122	129	114	105
राजस्थान	388	318	255	244	199	186	164	141	113
तमिलनाडु	111	97	90	79	66	63	60	58	54
तेलंगाना					81	76	63	56	43
उत्तर प्रदेश	440	359	292	285	201	216	197	167	167
उत्तराखंड						89	99	101	103
पश्चिम बंगाल	141	145	117	113	101	94	98	109	103
अन्य राज्य					97	96	85	77	77

एसआरएस निम्नलिखित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पुडुचेरी, सिक्किम, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, त्रिपुरा के मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) जारी नहीं करता है।

अनुलग्नक I(ख)

वर्ष 2024 (जनवरी-दिसंबर) के दौरान देश में राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार सूचित टीबी मामले

देश में सूचित क्षयरोग मामलों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार क्षयरोग से होने वाली मौतें	
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**2024 (जनवरी-दिसंबर)**
अंडमान और निकोबार	18
आंध्र प्रदेश	1686
अरुणाचल प्रदेश	73
असम	2062
बिहार	4978
चंडीगढ़	197
छत्तीसगढ	1940
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	6
दिल्ली	2482
गोवा	167
गुजरात	5904
हरियाणा	3534
हिमाचल प्रदेश	931
जम्मू एवं कश्मीर	408
झारखंड	1623
कर्नाटक	5159
केरल	2020
लद्दाख	9
लक्षद्वीप	1
मध्य प्रदेश	7007
महाराष्ट्र	8556
मणिपुर	115
मेघालय	249
मिजोरम	127
नागालैंड	102
उड़ीसा	2619
पांडिचेरी	155
पंजाब	2726
राजस्थान	4970
सिक्किम	43
तमिलनाडु	5292
तेलंगाना	1419
त्रिपुरा	210
उत्तर प्रदेश	19533
उत्तराखंड	992
पश्चिम बंगाल	5503

* पिछले वर्ष में स्तंभ शीर्षक में सूचित रोगियों के उपचार परिणाम को दर्शाता है।

डेटा स्रोत: नि-क्षय

		अनुलग्नक II
क्र. सं.	30.09.2024 मानव संसाधन के तहत एनएचएम के अनुसार स्थिति	**संख्या**
1	जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ)	17881
2	सहयोगी एवं स्वास्थ्य परिचर्या कार्यकर्ता	98334
3	विशेषज्ञों	4778
4	स्टाफ नर्स	77537
5	सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम)	93348
6	आयुष चिकित्सक	24874
7	आयुष फार्मासिस्ट	3637
8	आयुष पैरामेडिक्स	2434
9	एनआरएचएम के तहत राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयां (एसपीएमयू), जिला पीएमयू और ब्लॉक पीएमयू	52537
10	एनयूएचएम के तहत कार्यक्रम प्रबंधन कर्मचारी	1733
11	महिला स्वास्थ्य आगंतुक (एलएचवी)	3066
12	सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधक	527
कुल		**380686**

स्रोत: सितंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार एनएचएम एमआईएस

*****